भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †30

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के माध्यम से सतत रोजगार

†30. **श्री विष्णु दत्त शर्मा:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि खजुराहो जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों से स्थानीय समुदायों के लिए सतत रोजगार और समावेशी आर्थिक विकास सृजित हों;

(ख) क्या खजुराहो या आसपास के क्षेत्रों में कोई विशिष्ट आजीविका-संबंधी पर्यटन पहल, कौशल विकास कार्यक्रम या स्थानीय उद्यमिता सहायता (जैसे शिल्प बाजार, निर्देशित पर्यटन, सांस्कृतिक कार्यक्रम) शुरू की गई है;

(ग) यदि हाँ, तो लाभार्थियों की संख्या और आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित ऐसी पहलों और हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार द्वारा पर्यटन विकास को स्थानीय सशक्तिकरण के साथ जोड़ने के लिए ऐसी पहल शुरू करने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं प्रमाणन प्रदान करने हेतु "सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण" (सीबीएसपी) नामक योजना लागू की है। जिसका उद्देश्य खजुराहो जैसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें नियोजनीय बनाना है।

यह योजना भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित संस्थानों सहित होटल प्रबंधन एवं खाद्य शिल्प संस्थानों, राज्य/संघ राज्यक्षेत्र/केन्द्रीय प्रशिक्षण/शैक्षणिक संस्थानों एवं आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षण देने वाले निजी क्षेत्र के विशिष्ट शैक्षणिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है।

सीबीएसपी योजना के तहत निम्नलिखित मुख्य कार्यक्रम चलाए जाते हैं:

हुनर से रोज़गार तक: इस कार्यक्रम में आतिथ्य क्षेत्र में कुल ग्यारह अल्पावधि पाठ्यक्रम हैं।

कौशल परीक्षण एवं प्रमाणन: आतिथ्य व्यवसाय में सेवा प्रदाताओं का परीक्षण एवं प्रमाणन करने के लिए मौजूदा सेवा प्रदाताओं को पुनः कौशल प्रदान करना।

उद्यमिता कार्यक्रम: सूक्ष्म एवं लघु व्यवसाय स्टार्ट-अप्स के कौशल को बढ़ाना।

अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता प्रमाणन कार्यक्रम: अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य देश भर में सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधा प्रदाताओं का एक पूल बनाने के लिए एक ऑनलाइन शिक्षण मंच तैयार करना है और अब तक 7014 उम्मीदवारों ने आईआईटीएफ बेसिक परीक्षा पास कर ली है।

वर्ष 2021-22 से अब तक खाद्य शिल्प संस्थान, खजुराहो के माध्यम से खजुराहो में कुल 666 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है और सीबीएसपी के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत संपूर्ण भारत में कुल 1,56,798 को प्रशिक्षित किया गया है।

******